एम०ए० हिंदी (उत्तरार्द्ध)

प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रश्न-पत्र–तृतीय

समयः 3 घण्टे
पूर्णांकः 100

नोटः
1. खण्ड 'क' से 'ङ' तक (पांचों खण्डों में) प्रत्येक से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. षष्ठ प्रश्न लघूत्तरी प्रकृति का होगा। इसमें खण्ड 'क' से 'ङ' तक प्रत्येक से विकल्प सहित पांच प्रश्न पूछे जायेंगे, परीक्षार्थियों को पांचों प्रश्नों का उत्तर देना होगा। (विकल्प आधारित दस प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।) प्रत्येक प्रश्न 300 शब्दों का होना चाहिए और प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 25 अंक का होगा।
3. अंतिम–सप्तम प्रश्न 'खण्ड ख' निर्धारित शब्दावली पर होगा। बीस शब्द दिये जायेंगे जिनमें से किन्हीं पन्द्रह के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखना होगा। प्रत्येक शब्द के लिए एक अंक निर्धारित होगा। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

(क) कामकाजी हिंदी

हिंदी के विविध रूपः सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी, पारिभाषिक शब्दावलीः परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

(ख) हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटरः परिचय और उपयोग, इटरनेटः संपर्क उपकरण परिचय, इंटरनेटः समय मितव्ययिता का सूत्र, इंटरनेट एक्सप्लोरर, नेटस्केप नेवीगेटर, लिंक और ब्राउजिंग, ई–मेल : भेजना, प्राप्त करना (डाउन लोडिंग, अपलोडिंग), मशीनी अनुवादः स्वरूप और प्रविधि

(ग) पत्रकारिता

पत्रकारिता का स्वरूप, भेद एवं महत्त्व, हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास, समाचार लेखन कला, समाचार के स्रोत, प्रेम विज्ञप्ति, संपादकीय विभाग और संपादन, प्रूफ पठन और व्यावहारिक प्रूफ संशोधन, शीर्षक रचना एवं उसका संपादन, साक्षात्कार, विज्ञापन लेखन

(घ) मीडिया लेखन

जन संचारः प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, जनसंचार माध्यमों का स्वरूपः मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी), मौखिक भाषा की प्रकृति, रेडियो नाटक, उद्‌घोषणा लेखन, फीचर, दृश्य–श्रव्य माध्यम (चलचित्र, दूरदर्शन, वीडियो), दृश्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्ववाचन (वायस ओवर), विज्ञापन की भाषा, इंटरनेटः परिचय एवं सामग्री–सृजन,

(ङ) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

अनुवादः परिभाषा एवं स्वरूप, क्षेत्र और प्रक्रिया, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी हिंदी और अनुवाद, साहित्यिक अनुवादः सिद्धांत एवं व्यवहार, काव्यानुवाद और संबंधित समस्याएँ, कहानी अनुवाद और संबंधित समस्याएँ, विज्ञापन में अनुवाद, विधि। साहित्य का अनुवाद

(च) पारिभाषिक शब्दावली : भाषा विज्ञान